दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 25.09.2019

प्रकाशनार्थ

वाणिज्य विभाग द्वारा 'निजीकरण का प्रभाव' विषय पर पी.पी.टी. प्रतियोगिता का आयोजन

आज दिनांक 25.09.2019 को महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय द्वारा निजीकरण विषय पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन का आयोजन हुआ जिसमें वाणिज्य संकाय के बी.काम. एवं एम.काम. पाठ्यक्रम के कुल 46 छात्रों ने प्रतिभाग किया। उक्त प्रतियोगिता में विभाग के शिक्षक डॉ. संजीव कुमार सिंह, श्री दीपक साहनी, श्रीमती रानी द्विवेदी निर्णायक के रूप अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किया। इन विद्यार्थियों में नेहा पाण्डेय, सौम्या सिंह, नम्रता मिश्रा, हर्षिता त्रिपाठी, अनुश्री सिंह, शशि त्रिपाठी, सृष्टि, नितेश पाण्डेय, अभिषेक शुक्ला, पीयूष, कृतिका, अमित, अनन्या सिंह, सोनाली, श्वेता राय के पी.पी.टी. प्रस्तुतीकरण को विभाग के शिक्षकों ने सराहना की।

संकाय प्रभारी डॉ. नीरज कुमार सिंह ने विजयी प्रतिभागियों की घोषणा की, जिसमें बी.काम. तृतीय वर्ष की छात्रा नम्रता मिश्रा एवं द्वितीय वर्ष की छात्रा अनन्या सिंह को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, एम.काम. द्वितीय के छात्र अभिषेक शुक्ला को तथा तृतीय स्थान एम.काम. प्रथम वर्ष की छात्रा श्वेता राय को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रतिभाग करने के लिए शुभकामना तथा विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था मुख्य दो क्षेत्रों से संचालित होती है सार्वजनिक व निजी क्षेत्र। स्वतंत्रता के पश्चात तत्कालीन परिस्थितियों के कारण निजी क्षेत्र सार्वजनिक क्षेत्र की तुलना में मजबूत नही था। इसी अर्थव्यवस्था के सर्वागीण विकास के लिए सार्वजनिक क्षेत्र को ही आधार बनाया गया। लेकिन कालान्तर में 1956 में औद्योगिक नीति से प्रेरणा लेकर निजी क्षेत्र की उपलब्धियों में अत्यधिक सुधार आया तथा राष्ट्र विकास के पथ पर निरंतर प्रगति करता रहा। सातवीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति तक सार्वजनिक उपक्रमों में पूंजी निवेश की मात्रा लगातार बढने के बावजूद हो रहे घाटे ने उसकी सार्थकता पर ही प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए। जिसके विकल्प के रूप में निजीकरण की आवश्यकता पैदा हुई और आज वर्तमान परिस्थितियों में निजीकरण आर्थिक सुधार, एक विश्वव्यापी कार्यक्रम बन गया। जो यूरोप, अमेरिका तथा अन्य विकसित राष्ट्रो तक ही सीमित नहीं है बल्कि साम्यवाद का परित्याग कर लोकतांत्रिक पद्धति को अपनाने वाले देशों सहित विकासशील देशों ने भी अपने राष्ट्र के विकास में निजीकरण के महत्व को स्वीकारा है।

उक्त कार्यक्रम में डॉ. अमरनाथ तिवारी ने अपना विचार प्रस्तुत करते हुए निजीकरण को राष्ट्र के विकास का एक उत्तम संसाधन माना। कार्यक्रम में डॉ. विवेक शाही, डॉ. सुनील सिंह आदि शिक्षक सहित वाणिज्य संकाय के छात्र/छात्रायें उपस्थित थे।

डॉ.(मुरली मनोहर तिवारी)
सूचना एवं जनसम्पर्क प्रभारी